शिक्षकों में विद्यालय के संगठनात्मक माहौल और नौकरी (व्यवसाय) के प्रति संतुष्टि का शैक्षिक अध्ययन।

हिमांशु जायसवाल

असिस्टेंट प्रोफेसर, ठा. हर नारायण सिंह पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज उ. प्र.

सारांश

“शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा गया है। किसी भी शैक्षणिक संगठन की सफलता काफी हद तक उसके शिक्षकों की प्रभावशीलता पर निर्भर करती है, जिन्हें ज्ञान स्थानांतरित करने, विद्यार्थियों की निगरानी करने और शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का काम सौंपा जाता है। शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का उनके द्वारा पढ़ाए जाने वाले विद्यार्थियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है क्योंकि वे सीधे विद्यार्थियों को ज्ञान हस्तांतरित करने में शामिल होते हैं। संक्षेप में, चाहे कोई भी देश हो, अत्यधिक संतुष्ट शिक्षक अपने विद्यार्थियों की सफलता के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं, न केवल ज्ञान प्रदान करके बल्कि प्रत्येक विद्यार्थियों की बेहतर उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त ध्यान देते है।

मुख्य शब्द: शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि, शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि की संकल्पना, शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारक।

प्रस्तावना

शिक्षा में शिक्षक का सबसे आवश्यक गुण सकारात्मक दृष्टिकोण रखना है। हर शिक्षक में अपने काम से संतुष्टि पाने के लिए पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की क्षमता और स्पष्ट इरादा होना चाहिए। नौकरी की संतुष्टि किसी भी कार्यमें भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक अनुभव का संयोजन है। असंतुष्ट शिक्षक अच्छी शैक्षणिक योग्यता होने के बावजूद भी अपने कार्य को पूरे मन से नहीं कर पाएगा। यदि वह अपने कार्य से संतुष्ट नहीं है तो वह अपने कार्य को ठीक से नहीं करके साथ ही अपनी जिम्मेदारीयों को ठीक तरह से नहीं निभा सकता है। शिक्षक की अपने कार्य से संतुष्टि शिक्षक, उच्च शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यता के साथ निश्चित रूप से विषय ज्ञान की विद्यार्थियों की समझ के स्तर को बढ़ा सकता है। यह शिक्षक है जो सीखने की प्रक्रिया में सूत्रधार, मार्गदर्शन और प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है। यह पाया गया है कि नौकरी से संतुष्टि एक महत्वपूर्ण चीज है जो शिक्षकों के प्रदर्शन

को निर्धारित करने में मदद करेगी। कार्य संतुष्टि एक विशेष कार्य को करने के लिए प्रेरित करने और बनाए रखने का प्रयास है जो विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास के लिए आवश्यक है।

शिक्षण की गुणवत्ता पूर्णरूप से शिक्षकों पर निर्भर करती है जो शिक्षक अपनी नौकरी से प्रसन्न होते है वे उस नौकरी के लिए अपना सत- प्रतिशत बेहतर देते है और वे अधिक ध्यान और निष्ठा के साथ शिक्षण करते है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि एक संतुष्ट शिक्षक यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत प्रयास करेगा कि प्रदान किया गया ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थियों के लिए समझने में आसान है। शिक्षकों के प्रदर्शन कार्य संतुष्टि का प्रभाव, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, संगठन की प्रतिबद्धता और कार्य प्रेरणा पर पड़ता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि उच्च प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी केवल दो उच्च स्तरीय उपाधियों या बढ़े हुए वेतन के परिणामस्वरूप अपनी नौकरी से संतुष्ट महसूस नहीं करते है। सहसम्बन्ध की यह कमी संगठनों के लिए एक महत्वपूर्ण चिन्ता का विषय है क्योंकि अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि सकारात्मक मानव संसाधन प्रथाओं के कार्यान्वयन से संगठनों को वित्तीय लाभ होता है। कर्मचारियों की लागत काफी अधिक है और इन निवेश पर रिटर्न के लिए प्रासंगिक संतुष्टि पैदा करना सर्वोपरि है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान लेख विद्यालय के शिक्षकों में कार्य संतुष्टि के स्तर को निर्धारित करने और इसे प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान करने पर केन्द्रित है।

इससे विद्यालय अपने कार्मचारियों के उचित व्यवहार पेटर्न और मतभेदों को समझ सके जो उनकी नौकरी की संतुष्टि के स्तर को प्रभावित करते है।

शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि की संकल्पना-

इवांस द्वारा प्रदान की गई नौकरी की संतुष्टि की परिभाषा के अनुसार(उद्धरण1997), जो इसे “एक मानसिक स्थिति के रूप में वर्णित करते हैं जो इस बात से निर्धारित होती है कि व्यक्ति अपनी नौकरी से संबंधित जरूरतों को किस सीमा तक पूर्ण करना चाहता है” (पृष्ठ 328)। इसके अलावा, शिक्षक की नौकरी की संतुष्टि में दो मुख्य घटक पहचाने जाते हैं: नौकरी में आराम और नौकरी की संतुष्टि। पहला यह दर्शाता है कि किसी व्यक्ति के लिए नौकरी की स्थितियाँ और परिस्थितियाँ कितनी संतोषजनक हैं, जबकि दूसरा यह दर्शाता है कि नौकरी के सार्थक पहलुओं के भीतर व्यक्तिगत उपलब्धियों द्वारा व्यक्ति की संतुष्टि किस सीमा तक है।(इवांस,उद्धरण1997)

नौकरी से संतुष्टि को समझना-

- नौकरी से संतुष्टि का अर्थ है किसी संगठन का हिस्सा होने पर कर्मचारियों द्वारा महसूस की जाने वाली संतुष्टि की भावना। यह कर्मचारियों द्वारा संगठन के भीतर अपनी दैनिक ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के दौरान महसूस की जाने वाली संतुष्टि की भावना है। इसे ‘कर्मचारी संतुष्टि’ या ‘कार्य संतुष्टि’ भी कहा जाता है।
- (1997 में पॉल स्पेक्टर द्वारा प्रकाशित शोध, जिसका नाम नौकरी संतुष्टि: अनुप्रयोग, मूल्यांकन, कारण और परिणाम है।)नौकरी की संतुष्टि को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को परिभाषित करता है।

- संगठन, प्रशंसा, संचार, सहकर्मियों, कार्य की प्रकृति, नौकरी की शर्तें, अनुषंगी लाभ, नीतियाँ और कार्यविधियाँ, व्यक्तिगत विकास, प्रोन्नति के अवसर, मान्यता, नौकरी की सुरक्षा, पर्यवेक्षण।

शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारक

- **आन्तरिक कारक** -

ये वे कारक है जो शिक्षक की नौकरी से सम्बन्धित है जैसे उपलब्धि , मान्यता, जिम्मेदारियों, विकास और प्रगति में कुछ हासिल करने के लिएमिलती है। इस कारकों को प्रेरणा कारक कहा जाता है।

- **बाहयकारक -**

यह काम करने की स्थिति, पर्यवेक्षण, वेतन, पारस्परिक सम्बन्ध,सुरक्षा आदि स्थिति जैसी संस्था से सम्बन्धित है। इन कारकों को सन्दर्भ कारक कहा जाता है।

- **संतुष्टि कारक के रूप में पुरस्कार और सम्मान-**

शिक्षण संस्थानों द्वारा किया गया संतुलन शिक्षकों के प्रदर्शन और काम में प्रति शिक्षकों की प्रतिबद्धता पर आधारित है। पुरस्कार और सम्मान ऐसे प्रमुख कारक है जो नौकरी की संतुष्टि को प्रभावित करते है और शिक्षकों को पर्याप्त प्रेरणा देते है। शिक्षकों को प्रेरित करने और संतुष्ट करने के लिए विभिन्न प्रकार और पुरस्कार दिए जाने चाहिए।

- **संतुष्टि कारक के रूप में मान्यता और प्रशंसा -**

कार्यों की नियमित प्रस्तुति और रचनात्मक प्रोत्साहन शिक्षकों के बीच प्रशंसा और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।उनके कार्यों की सराहना करनी चाहिए। जिससे वह आंतरिक रूप से अपने कार्य के प्रति अभिप्रेरित हो सके।

- **संतुष्टि कारक के रूप में पारस्परिक संबंध-**

किसी भी शिक्षण संस्थान में प्रभावी शिक्षण और अधिगम के लिए अच्छे पारस्परिक संबंध विकसित करने की आवश्यकता होती है, अर्थात प्रधानाचार्य, शिक्षण स्टाफ, गैर-शिक्षण स्टाफ, अभिभावकों और विद्यार्थियों के साथ अच्छे संबंध अधिक महत्वपूर्ण होने चाहिए।

- **पर्यवेक्षण के साथ संतुष्टि** -

नौकरी के संतुष्टि का एक महत्वपूर्ण प्रभाव पाया जाता है- वह है पर्यवेक्षण। पर्यवेक्षण द्वारा सहकर्मियों का न्याय करने के लिए दिए जाते है। पर्यवेक्षकों की ताकत का स्कूल में काम के माहौल पर असर पडेगा। पर्यवेक्षक द्वारा दिये गए निर्णय पर भुगतान किया जाना चाहिए। पर्यवेक्षक का निर्णय केवल शिक्षकों को पुरस्कृत करने ओर दण्डित करने तक ही सीमित है।

- **संतुष्टि कारक के रूप में कार्य वातावरण-**

नौकरी संतुष्टि के लिए सकारात्मक शैक्षिक वातावरण अति आवश्यक है। विद्यालय में ऐसा माहौल होना चाहिए जहां शिक्षक-विद्यार्थी खुली गतिविधियाँ कर सके।

- **संतुष्टि कारक के रूप में भुगतान-**

(शेफ़र, आर.टी.(2005). समाजशास्त्र। बोस्टन, एम.ए.:मैकग्रॉ हिल।) ने बताया कि उच्च वेतन श्रमिकों को उनके सामने कार्य के अलावा उपलब्धि की भावना देता है। यह कथन नौकरी संतुष्टि जांच के प्रकार

के अनुसार अलग हो सकता है। उदाहरण के लिए, उच्च वेतन वाले किसी भी सार्वजनिक या निजी माध्यमिक विद्यालय में एक शिक्षक तब भी असंतुष्ट हो सकता है जब वह अपने स्वास्थ्य और पारिवारिक आवश्यकताओं की उपेक्षा करते हुए काम पर कई घंटे बिताता है।

- **संतुष्टि कारक के रूप में नौकरी की सुरक्षा-**

नौकरी की स्थिरता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि अक्सर यह तनाव और असंतोष का कारण बनता है।

- **शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि का प्रभाव-**

(लैथम, ए. (1998). शिक्षक संतुष्टि (पृष्ठ 82-83). एलेक्जेंड्रिया: पर्यवेक्षण और पाठ्यक्रम विकास संघ) ने कहा “नौकरी की संतुष्टि शिक्षकों को बनाए रखने में मदद करने से कहीं अधिक कर सकती है; यह उनके शिक्षण में सुधार कर सकती है।” इसका तात्पर्य यह है कि संतुष्ट शिक्षक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और स्कूल की प्रभावशीलता में बड़े पैमाने पर सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।
(ट्रैवर्स, सी.जे., और कूपर, सी.एल. (1996) दबाव में शिक्षक: शिक्षण पेशे में तनाव। लंदन: रूटलेज।)का दावा है कि वेतन से कम संतुष्टि और पदोन्नति के अवसरों की कमी ने शिक्षकों के नौकरी छोड़ने के इरादे में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसका तात्पर्य यह है कि इन चरों के साथ उच्च संतुष्टि नौकरी में बने रहने के उनके इरादे में योगदान देगी।

नौकरी से संतुष्टि के उद्देश्य-

- संगठन के प्रति शिक्षकों की धारणा का अध्ययन करना।
- शिक्षकों के अपने काम के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- शिक्षकों को कार्य के प्रति प्रेरित करने वाले कारको की पहचान करना।
- शिक्षकों में कार्य संतुष्टि के भाव का स्तर जानने और उन्हें विश्लेषित करके उनके व्यवसायिक विकास में सुधार के उपाय संदर्भित करना।

शोधविधि-प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है।शोधकार्य को उपयोगी तथा प्रभावी बनाने के लिए अत्यधिक शोधपत्र- पत्रिकाओं को प्रयोग में लाया गया है।

निष्कर्ष- प्रस्तुत शोध से यह निष्कर्ष निकलता है की कार्य संतुष्टि शिक्षकों में उनके कार्य के प्रति उत्साह भरता है।नौकरी(कार्य) की संतुष्टि उस अवस्था को दर्शाता है, जब कार्य को करने से अंदर से प्रसन्नता होती है। कार्य संतुष्टि किसी भी कर्मचारी में अंतर्निहित उसकी मनोवृत्तियों से होता है।नौकरी की संतुष्टि को शिक्षकों द्वारा अपनी नौकरी से महसूस किए जाने वाले संतोष से है।नौकरी से संतुष्टि शिक्षकों को संगठन में बनाए रखने में भी मदद करती है । जब शिक्षक अपनी नौकरी से खुश होंगे, तो वह अपनें कार्य को प्रभावी रूप से करने को सदैव तत्पर रहेंगे।

सन्दर्भसूची-

1. तंजानिया के तांगा क्षेत्र के लुशोतो जिले में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारक।(तुमैनी जे. म्बोनिया,एकेच एरिक, ओगेगा ओंगा, कॉसमास

न्यारुसांडा।यूनिवर्सिटी ऑफ अरुशा टीजेड, (ईए), अरुशा, तंजानिया)

2. शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि: स्कूल की कार्य स्थितियों और शिक्षक विशेषताओं का महत्व।(अन्ना तोरोपोवा,ईवा मायर्बर्गऔरस्टीफन जोहानसन)
3. इवांस, एल. (1997)। शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि पर शोध में अवधारणा और निर्माण वैधता की समस्याओं को संबोधित करना। शैक्षिक अनुसंधान , 39(3), 319-331.
4. क्रॉसमैन, ए., और हैरिस, पी. (2006)। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की नौकरी से संतुष्टि। शैक्षिक प्रबंधन प्रशासन और नेतृत्व , 34(1), 29-46.
5. कोली, आर.जे., शापका, जे.डी., और पेरी, एन.ई. (2012)। स्कूल का माहौल और सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा: शिक्षक तनाव, नौकरी की संतुष्टि और शिक्षण प्रभावकारिता की भविष्यवाणी करना। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी , 104(4).